Q.10. ऊर्जा प्रबंधन एवं लक्ष्य :->
ऊर्जा प्रबंधन का अर्थ अधिकतम फायदे के लिए ऊर्जा का प्रभावी ढंग से उपयोग करना है। कारोबार संगठनों और घरों में ऊर्जा की बचत से संबन्धित यह शब्द प्रयोग में आता है। इसका अर्थ बेकार वस्तु को अलग कर ऊर्जा का श्रेष्ठ विधि से उपयोग करना है। जिसमे न्यूनतम हानि हो उदाहरण के लिए एक बूँद प्रति सेकण्ड की दर से तेल रिसाव का मतलब 2000 लीटर प्रतिवर्ष की हानि है। जिसकी कीमत 10,000 रुपये आती है आधुनिक कृत्रिम चपटी बेल्ट को परम्परागत वी बेल्ट के बदले उपयोग करने पर 5 से 10% ऊर्जा बचत होती है।

* ऊर्जा प्रबंधन के सिद्धान्त एवं कार्यविधि :->

(i). ऊर्जा का उपयोग उसकी अधिकतम ऊर्जा क्षमता तक किया जाता है।

(2) सभी प्रकार की ऊर्जा आवश्यकता के अनुसार संभव न्यूनतम मूल्य पर उपलब्ध होना।

(3) अपशिष्ट ऊष्मा पुनः प्राप्ति द्वारा ऊर्जा का पुनः चक्रण और पुनः प्राप्ति करना।

(4). हानियों को कम करना।

* ऊर्जा प्रबंधन की कार्यविधि :-> ऊर्जा प्रबंधन एक परिवर्तन और घटना ही नहीं बल्कि यह लक्ष्यों को पुनः करने का अभियान है। यह कार्य एक मेज पर बैठकर अकेले नहीं किया जा सकता बल्कि इसे

पूरा करने के लिए ऊर्जा के प्रति सचेत व्यक्तियों के दिलो द्वारा तालमेल मे कार्य करने की आवश्यकता होता है।

* कुशल ऊर्जा प्रबंधन की आवश्यकता :-

कुशल प्रबंधन वह होता है। जो जागरूकता की और ले जाए सभी स्तर के लोगो को प्रोत्साहित करे ढांचे और प्रक्रिया को बदले ऊर्जा खपत के निर्धारित लक्ष्यों का रिकार्ड रखे तथा संगठन और मानव दोनो मे ही परिवर्तन करने की कोशिश करे उदाहरण के लिए कुशल प्रबंधक फैक्ट्री मे जागरूकता अभियान चलाये जिसमे रोशनी पंखे और वातानुकूलक के स्विच बंद करने से ऊर्जा की बचत का ज्ञान हो।